महिलाओं और उनके बच्चों के प्रति हिंसा की रिपोर्टिंग कैसे करें

2019 विक्टोरियाई सँस्करण

विषय-सामग्री

1. ये दिशा-निर्देश महत्वपूर्ण क्यों हैं 1

2. यह समझें कि भेदभाव हिंसा को कैसे प्रभावित करता है 2

3. महिलाओं और उनके बच्चों के प्रति हिंसा की रिपोर्टिंग करने के लिए 10 कदम 3

3. आदिवासी और टोरेस स्ट्रेट द्वीपवासी महिलाओं के विरुद्ध हिंसा की रिपोर्टिंग करना 7

4. ऑस्ट्रेलिया और पूरे विश्व-भर से खराब से बेहतर रिपोर्टिंग के उदाहरण 8

4. सामान्य रूप से प्रचलित गलत धारणाएँ 10

3. तथ्य और आँकड़े 12

साँख्यिकी 12

आँकड़ों की समस्या 13

5. महिलाओं और उनके बच्चों के विरुद्ध हिंसा के प्रभाव 14

6. परिभाषाएँ 14

शब्दावली 14

7. मीडिया और पार्श्व संपर्क 15

8. सँसाधन और पढ़ने के लिए अन्य सामग्री 16

1. ये दिशा-निर्देश महत्वपूर्ण क्यों हैं

ऑस्ट्रेलिया में महिलाओं और उनके बच्चों के विरुद्ध हिंसा एक गंभीर समस्या है। प्रत्येक सप्ताह औसतन एक महिला की हत्या उसके वर्तमान या पूर्व जीवनसाथी द्वारा कर दी जाती है (AIC, 2017)।

अनुसंधान से हमें पता चलता है कि मीडिया सामाजिक परिवर्तन के लिए एक प्रबल प्रेरणास्रोत होता है तथा यह महिलाओं और उनके बच्चों के विरुद्ध हिंसा को बढ़ावा देने वाली सँस्कृति, व्यवहार और दृष्टिकोण को सकारात्मक रूप से प्रभावित कर सकता है। और जैसाकि वर्ष के ऑस्ट्रेलियाई नागरिक पुरस्कार की पूर्व विजेता Rosie Batty ने कहा है, मीडिया का "हिंसा शुरू होने से पहले ही हिंसा की रोकथाम करने में सहायता के लिए एक विशिष्ट स्थान है"। ऐसा इसलिए है क्योंकि:

- महिलाओं और उनके बच्चों के विरुद्ध हिंसा के विषय पर प्रबल मीडिया रिपोर्टिंग से पाठकों, श्रोताओं और दर्शकों को यह समझने में सहायता मिल सकती है कि इस प्रकार की हिंसा कितनी व्यापक है, इससे कौन प्रभावित होता है, इसे किन कारणों से बढ़ावा मिलता है, और इसे कैसे रोका जा सकता है।
- मीडिया महिलाओं और उनके बच्चों को हिंसा के अपने अनुभवों को समझने के तरीके को आकार दे सकता है और इसके बारे में आवाज़ उठाने, कार्य करने या समर्थन प्राप्त करने के निर्णयों को प्रभावित कर सकता है।
- मीडिया हिंसक व्यक्तियों को हिंसा का प्रयोग करने के अपने विकल्पों को समझने के तरीके और अपना व्यवहार बदलने के लिए समर्थन की खोज करने के उनके निर्णय को प्रभावित कर सकता है।
- मीडिया महिलाओं और उनके बच्चों के विरुद्ध हिंसा के प्रकरणों की जाँच-पड़ताल के माध्यम से सार्वजनिक नीति और कानून को प्रभावित कर सकता है (उदाहरण के लिए, न्यू साउथ वेल्स सरकार ने फोर कॉर्नर्स द्वारा एक सनसनीखेज बलात्कार के मुकदमे की जाँच-पड़ताल किए जाने के बाद राज्य के सहमति कानूनों को Law Reform Commission के प्रति निर्दिष्ट किया है)।
- मीडिया समाज को हिंसा के विषय पर बात करने के तरीके को पुनरूपित करने में सहायता दे सकता है – विशेषकर अनेकानेक प्रारूपों में भेदभाव और दमन का सामना करने वाली महिलाओं के प्रति लक्षित हिंसा के विषय में – और इस विश्वास को प्रबल समर्थन दे सकता है कि हिंसा को कभी भी स्वीकार या माफ नहीं किया जाना चाहिए।

विक्टोरिया में महिलाओं और उनके बच्चों के विरुद्ध हिंसा की मीडिया कवरेज में काफी सुधार हुआ है। मीडिया के माध्यमों द्वारा हिंसा के कारणों की जाँच किए जाने में वृद्धि हो रही है और ये माध्यम अनजाने में पीड़ितों को दोष देने वाली, हिंसक व्यक्तियों द्वारा लिए गए निर्णयों को माफ करने वाली, या शराब या मानसिक स्वास्थ्य जैसे कारकों को गलत तरीके से हिंसा का कारण बताने वाली भाषा के प्रयोग से वर्जन कर रहे हैं।

लेकिन हमें अभी और भी लंबा रास्ता तय करना है। हाल ही में एक रिपोर्ट में पाया गया कि ऑस्ट्रेलिया में घटनाओं पर आधारित 15 प्रतिशत मीडिया रिपोर्टों में 'पीड़ित को दोष' दिए जाने के तत्व शामिल थे, ऐसे लाँछन कि उसने शराब पिया हुआ था, वह हिंसक व्यक्ति को आकर्षित करने का प्रयास कर रही थी या उस व्यक्ति के साथ उसके घर गई थी, या वह देर रात घर से बाहर थी। इसी प्रकार कई रिपोर्टों में हिंसक व्यक्ति के कृत्यों के लिए भी बहाने दिए गए थे, उदाहरण के लिए, वह शराब के नशे में धुत था, मादक-पदार्थों का प्रयोग कर रहा था, उसे ईर्ष्या हो रही थी, वह "आवेग में आ गया था" या अपना "नियंत्रण खो बैठा था" (ANROWS, 2016)। ये निष्कर्ष अनेकानेक प्रारूपों में भेदभाव और दमन का अनुभव करने वाली महिलाओं के बारे में रिपोर्टिंग करने की स्थिति में विशेष रूप से प्रासंगिक हैं।

> मीडिया का *"हिंसा के मुद्दे को एक मंच देने, परिवार में होने वाली हिंसा के बारे में और अधिक जागरुकता को प्रोत्साहन देने, तथा वास्तविक परिवर्तन लाने में एक विशिष्ट स्थान है।"*
>
> - **Rosie Batty**, परिवार में हिंसा के विरुद्ध अभियानकर्ता और वर्ष के ऑस्ट्रेलियाई नागरिक पुरस्कार की पूर्व विजेता

इन निष्कर्षों तथा अन्य निष्कर्षों के उत्तर में और महिलाओं के विरुद्ध हिंसा को संबोधित करने में कार्यरत मीडिया व संगठनों के प्रतिनिधियों के परामर्श से Our Watch ने इन दिशा-निर्देशों को विकसित किया है।

ये दिशा-निर्देश मीडिया के प्रयोग के लिए सुझाव और जानकारी उपलब्ध कराते हैं, जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि उनकी रिपोर्टिंग सभी महिलाओं और उनके बच्चों के विरुद्ध हिंसा के समाधान का एक हिस्सा बन पाए और हिंसा के उत्तरजीवियों को नुकसान न पहुँचाए या हिंसा को समर्थन देने की प्रवृत्ति और व्यवहार को आगे बढ़ावा न दे।

2. यह समझें कि भेदभाव हिंसा को कैसे प्रभावित करता है

महिलाओं के विरुद्ध हिंसा किसी विशिष्ट सँस्कृति या समुदाय तक ही सीमित नहीं है। परंतु भेदभाव पैदा करने वाले **शक्ति के असंतुलन का अर्थ यह हो सकता है कि कुछ महिलाएँ अनुपात से अधिक हिंसा से प्रभावित होती हैं,** उनके प्रति बार-बार हिंसा की जाती है, और उन्हें हिंसा के बारे में आवाज़ उठाने तथा विशेषज्ञ समर्थन सेवाएँ प्राप्त करने में प्रणालीगत बाधाओं समेत कई अतिरिक्त अवरोधों का सामना करना पड़ता है।

अनुपात से अधिक हिंसा से प्रभावित होने वाली महिलाओं में वे महिलाएँ शामिल हैं जो नीचे दिए गए वर्गों में अपनी पहचान करती हैं (लेकिन यह केवल इन्हीं वर्गों तक सीमित नहीं है):

- आदिवासी और टोरेस स्ट्रेट द्वीपवासी, और साथ ही
- आप्रवासी और शरणार्थी,
- विकलाँगता-ग्रस्त,
- LGBTIQ+, और
- वयोवृद्ध महिलाएँ।

भाषा के बारे में टिप्पणी

इस रिपोर्ट के प्रयोजनों के लिए 'महिलाओं के विरुद्ध हिंसा' पद का प्रयोग महिलाओं द्वारा अनुभव की जाने वाली सभी प्रकार की हिंसा के लिए किया गया है, जिसमें पारिवारिक व घरेलू हिंसा, यौन-आक्रमण और दुर्व्यवहार, तथा अपरिचित व्यक्तियों द्वारा किए गए शारीरिक आक्रमण शामिल हैं। परिभाषाएँ देखें, पृष्ठ 16।

किसी महिला को दमन या भेदभाव के कौन से अलग-अलग प्रारूपों का सामना करना पड़ सकता है और ये प्रारूप हिंसा के उसके अनुभव को और अधिक पीड़ादायक कैसे बना सकते हैं, इसके बारे में सोचना भी महत्वपूर्ण है। उदाहरण लिए किसी विकलाँगता-ग्रस्त आदिवासी महिला को लैंगिक असमानता के साथ-साथ परस्परभेदी नस्लवाद और सामर्थ्यवाद का अनुभव होने की और भी अधिक संभावना रहती है। इससे यह भी प्रदर्शित हो सकता है कि कुछ महिलाओं के लिए सहायता लेना या समर्थन सेवाएँ प्राप्त करना और भी अधिक कठिन क्यों होता है, विशेषकर ऐसे समूहों के लिए जिन्हें सँस्थागत दुर्व्यवहार या सरकार द्वारा स्वीकृत हिंसा का अनुभव हुआ है या इस प्रकार का अनुभव होना अभी भी जारी है।

कुछ महिलाओं को अनुपात से अधिक हिंसा का सामना क्यों करना पड़ता है, इसके कारणों में निम्नलिखित शामिल हैं:

- **एक से अधिक प्रारूपों में भेदभाव या दमन का सामना करने वाली महिलाओं के विरुद्ध हिंसा को ठीक समझे जाने की संभावना अधिक होती है।** उदाहरण के लिए, हिंसा को `उनकी सँस्कृति के एक हिस्से' के रूप में मानकर अनदेखा किया जाना, हिंसा को धार्मिक ग्रंथों में न्यायोचित ठहराया जाना, या औपचारिक/अनौपचारिक देखभालकर्ता द्वारा की गई हिंसा को उसके 'देखभालकर्ता-तनाव' से ग्रस्त होने के कारण माफ किया जाना।
- **एक से अधिक प्रारूपों में भेदभाव या दमन का सामना करने वाली महिलाओं को अक्सर श्रेणीगत किया जाता है।** उदाहरण के लिए, उन्हें 'फूहड़, आक्रामक, नशेड़ी' के रूप में चिह्नित किया जा सकता है, आयु या विकलाँगता के कारण उन्हें कामेच्छाहीन माना जा सकता है, या उनके प्रति हिंसा को सामान्य माना जा सकता है और हिंसा के लिए प्रतिकूलता को जिम्मेदार ठहराया जा सकता है।
- **आक्रामकता को महत्व देने वाले पुरुष सहकर्मी संबंध कुछ महिलाओं पर और भी अधिक प्रभाव डाल सकते हैं।** उदाहरण के लिए, आप्रवासी पृष्ठभूमियों से आने वाली महिलाओं को यौन-पर्यटन, 'नस्ल-आधारित अश्लीलता' और वस्तु-कामुकता के लिए के लिए एक यौनोउत्तेजक वस्तु के रूप में प्रदर्शित, लक्षित और प्रचारित किया जा सकता है।
- **निर्णय-प्रक्रिया पर पुरुषों का नियंत्रण होने के कारण कुछ महिलाओं पर संभावित रूप से और अधिक प्रभाव पड़ सकता है, जिससे उनकी स्वतंत्रता सीमित हो जाती है।** उदाहरण के लिए, शिक्षा व रोजगार के समान अवसर सुलभ न होने और निर्णय-प्रक्रिया पर पुरुषों के नियंत्रण को 'उनकी सँस्कृति का बस एक हिस्सा' मानकर सही ठहराए जाने के माध्यम से।

मीडिया के लिए यह समझना महत्वपूर्ण है कि संरचनात्मक भेदभाव और दमन से महिलाओं द्वारा अनुभव की जाने वाली हिंसा और अधिक पीड़ादायक कैसे बन सकती है, परंतु इसका अर्थ यह नहीं है कि हिंसा के लिए उनकी सँस्कृति, लैंगिकता, रोज़गार के विकल्प, विकलाँगता या अन्य कारकों को जिम्मेदार ठहराया जाए।

3. महिलाओं और उनके बच्चों के प्रति हिंसा की रिपोर्टिंग करने के लिए 10 कदम

नीचे 10 कदम दिए गए हैं जिनका पालन करके यह सुनिश्चित किया जा सकता है कि आपकी रिपोर्टिंग महिलाओं और उनके बच्चों के विरुद्ध हिंसा के **समाधान का हिस्सा बन पाए** और आपकी रिपोर्टिंग से पीड़ितों/उत्तरजीवियों को कुछ नया या अतिरिक्त नुकसान न पहुँचे या आपकी रिपोर्टिंग हिंसा को समर्थन देने वाली अभिवृत्तियों और व्यवहारों को पुनः सशक्त न करे:

1. इसे नाम दें

ये कार्य करें: यदि कानूनी रूप से संभव हो, तो अभियोग लगाए जाने पर/इसके बाद और अभियोग के लागू होने पर 'महिलाओं/और उनके बच्चों के विरुद्ध हिंसा', 'पारिवारिक हिंसा', 'आक्रमण', 'यौन आक्रमण', 'वयोवृद्धों के प्रति दुर्व्यवहार', 'बाल शोषण', 'बाल शोषण सामग्री', 'बलात्कार' या 'हत्या' जैसे शब्दों का प्रयोग करें। इससे श्रोताओं को यह समझने में सहायता मिलती है कि महिलाओं और उनके बच्चों के विरुद्ध हिंसा अप्रत्याशित 'यादृच्छिक हिंसक कृत्यों' के बजाय व्यापक रूप से फैली हुई है। *परिभाषाएँ* देखें, पृष्ठ 16।

ये कार्य न करें: हिंसा को न्यूनीकृत/महत्वहीन प्रदर्शित करने वाले शब्दों का प्रयोग न करें (उदाहरण के लिए, 'घरेलू विवाद', 'अस्थिर संबंध', या 'बाल अश्लीलता')।

> *"हिंसा और घोर मानसिक संताप के भुक्तभोगियों के रूप में जिस तरीके से हमारी माँ के मामले की रिपोर्टिंग की गई, उससे हम बहुत प्रभावित हुए... बड़े होते समय मैं सोचा करता था कि पारिवारिक हिंसा जीवन का मात्र एक तथ्य होती है, लेकिन अब मुझे पता है कि ऐसा होना आवश्यक नहीं है।"*
>
> - **Arman Abrahimzadeh,** Our Watch राजदूत

2. सर्वप्रथम सुरक्षा

ये कार्य करें: मामलों की रिपोर्टिंग करते समय यह सुनिश्चित करें कि उत्तरजीवी की सुरक्षा के लिए कोई खतरा न पैदा हो। इस बात का ध्यान रखें कि उत्तरजीवी/वियों के बारे में विशिष्ट विवरण, घटना में क्या हुआ और घटनास्थल (उदाहरण के लिए, बच्चों की सँख्या, घर-परिवार या पालतू पशु के विवरण, बल या हथियारों का प्रयोग, किस प्रकार की चोटें लगी, आदि) को शामिल करने से उत्तरजीवी/वियों की पहचान प्रकट होने का खतरा पैदा हो सकता है।

ये कार्य करें: इस बात का ध्यान रखें कि व्यक्ति की पहचान को गुप्त रखने के लिए उपायों का पालन किए जाने के बावजूद भी व्यक्ति की पहचान आसानी से प्रकट हो सकती है, उदाहरण के लिए आदिवासी और टोरेस स्ट्रेट द्वीपवासी समुदायों या ग्रामीण और दूर-दराज के क्षेत्रों में।

3. प्रमाण-आधारित भाषा का प्रयोग करें

ये कार्य करें: श्रोताओं को इस बात के प्रमाण को समझने में सहायता देने वाली भाषा और ढाँचे का प्रयोग करें कि वैश्विक स्तर पर **महिलाओं और उनके बच्चों के विरुद्ध होने वाली अधिकांश हिंसा लैंगिक असमानता से प्रेरित होती है।** इसे प्रेरित करने में निम्नलिखित बातें शामिल हैं:

- महिलाओं के विरुद्ध पुरुषों द्वारा की गई हिंसा को यथोचित बताना
- निर्णय-प्रक्रिया पर पुरुषों का नियंत्रण और महिलाओं की स्वतंत्रता पर सीमाएँ
- पुरुषत्व और स्त्रीत्व के प्रति रूढ़िवादी दृष्टिकोण
- महिला और पुरुष सहकर्मियों के बीच संबंधों में आक्रामकता को महत्व देने वाला अनादर।

ये कार्य न करें: शराब या मादक-पदार्थों को हिंसा के उद्वेलक या 'ईंधन' के रूप में न वर्णित करें, या हिंसा को मानसिक स्वास्थ्य, तनाव, पैसे, सँस्कृति, विकलाँगता-ग्रस्त व्यक्ति की देखभाल के 'बोझ', या हिंसक व्यक्ति के 'आवेग में आने' से जुड़ा हुआ न बताएँ। यह प्रमाण के साथ संरेखित नहीं होता है। ये मुद्दे हिंसा को बढ़ावा तो दे सकते हैं, लेकिन हिंसा को **आरंभ नहीं करते हैं।**

ये कार्य न करें: हिंसा को उचित बताने वाली या पीड़ित के साथ जो हुआ, उसके लिए अनजाने में उसे दोष देने वाली भाषा का प्रयोग न करें, उदाहरण के लिए, वह नशे में थी, देर रात घर से बाहर थी, अकेली घूम रही थी, दूसरों को देख रही थी, आदि।

4. कानून से अवगत रहें

ये कार्य करें: इस बात का ध्यान रखें कि कुछ विशिष्ट प्रकार के यौन अपराधों, सुरक्षा आदेशों के जारी किए जाने, या बच्चों के शामिल होने की स्थिति में किस प्रकार की बातों की रिपोर्टिंग की जा सकती है और नहीं की जा सकती है, इसका निर्धारण करने के लिए कानूनी मापदंड उपस्थित हैं। **ऐसे मामलों में पत्रकारों और मीडिया के माध्यमों को अपने दायित्वों से अवगत होना आवश्यक है और उन्हें इन दिशा-निर्देशों पर भरोसा नहीं करना चाहिए। ABC की 2016 निर्देशिका[1] में अतिरिक्त जानकारी उपलब्ध है।**

ये कार्य करें: इस बात की समझ रखें कि भावनात्मक या मनोवैज्ञानिक दुर्व्यवहार, वयोवृद्धों के साथ दुर्व्यवहार, पैसे को लेकर दुर्व्यवहार और बलपूर्वक नियंत्रण जैसे प्रारूपों समेत हिंसा के कई प्रारूप होते हैं जिन्हें वर्तमान में संभावित रूप से आपराधिक[2] नहीं माना जाता है, परंतु याद रखें कि सभी प्रारूप गंभीर होते हैं और जीवन के लिए खतरा पैदा कर सकते हैं।

"पारिवारिक हिंसा के बारे में जागरुकता बढ़ाने में मीडिया अविश्वसनीय रूप से प्रभावी रहा है और इन दिशा-निर्देशों को आरंभ किए जाने से समाचार-कक्षों को इस जटिल मुद्दे के बारे में रिपोर्टिंग करने में समर्थन मिलेगा।"

- Andrew Eales,
प्रबंध संपादक
Fairfax क्षेत्रीय

उत्तरजीवियों का साक्षात्कार

जिन व्यक्तियों के बारे में आपकी कहानी है, उनके ऊपर इस कहानी द्वारा पड़ने वाले प्रभावों के बारे में सोचें। आपके साक्षात्कार और रिपोर्टिंग से उन्हें फिर से आघात लग सकता है या अनजाने में लज्जित होना पड़ सकता है। हिंसा के उत्तरजीवी बच्चों या हिंसा को प्रत्यक्ष रूप से देखने वाले बच्चों के साथ बात करना भी विशेषकर खतरे से भरा हो सकता है। जिन महिलाओं और बच्चों की रिपोर्टिंग की जा रही है, उनकी सुरक्षा के लिए यहाँ कुछ सुझाव दिए गए हैं:

- खुले उत्तरों वाले प्रश्न पूछें, जैसे "आपके साथ जो कुछ भी हुआ, उसके बारे में आप मुझे क्या बता सकते/सकती हैं?"
- उनसे पूछें कि उनकी पहचान किस तरह से की जानी चाहिए और उन्हें किन शब्दों का प्रयोग करके संबोधित किया जाना चाहिए (उदाहरण के लिए, उनके पसंदीदा सर्वनामों और साँस्कृतिक संबंधों के साथ 'पीड़ित' या 'उत्तरजीवी' के रूप में, 'विकलांगता से ग्रस्त महिला' के स्थान पर 'विकलांग महिला' के रूप में।)
- उन्हें अपनी कहानी बताने के लिए अधिक से अधिक समय दें
- यह सुनिश्चित करें कि आपके पास उनकी कहानी के तत्वों को प्रकट करने के लिए सूचित सहमति हो और जहाँ संभव हो, उन्हें स्वयं को संबोधित या उद्धृत किए जाने के तरीके की समीक्षा करने का अवसर दें।
- ध्यान रखें कि उत्तरजीवियों द्वारा अपनी कहानियाँ बताए जाने में सुरक्षात्मक और नैतिक मुद्दे शामिल होते हैं, जिनमें उनकी पहचान प्रकट होने और उनसे बदला लिए जाने का खतरा तथा उनकी कहानियाँ प्रकट किए जाने से कानूनी कार्यवाहियों पर प्रभाव या असर पड़ने की क्षमता शामिल है।
- इस बात की समझ रखें कि महिलाओं और उनके बच्चों के साथ काम करने वाली सेवाओं के पास अपेक्षाकृत कम सँसाधन होते हैं, और हो सकता है कि उनके पास अपनी कहानियाँ बताने वाले लोग तुरंत उपलब्ध न हों तथा वे सुरक्षा से संबंधित कारणों की वजह से उत्तरजीवियों को मीडिया के साथ संलग्नता बढ़ाने के लिए प्रोत्साहन न दें।
- इस बात से अवगत रहें कि महिलाओं के विरुद्ध हिंसा का स्वरूप महिलाओं के जीवनकाल में बदल सकता है, उदाहरण के लिए, वृद्ध महिलाओं को अपने वयस्क बच्चों की ओर से दुर्व्यवहार का अनुभव होना।
- अदालती मामलों और हिंसा की घटनाएँ होने पर आपात प्रतिक्रियाओं को समर्थन देने के लिए विशेषज्ञ सेवाओं के साथ संबंध और विश्वास का निर्माण करें।

5. महिलाओं के विरुद्ध हिंसा सनसनीखेज नहीं होती है

ये कार्य न करें: अत्यधिक नाटकीय भाषा, अनावश्यक विवरणों, अहेतुक या निर्बलता दिखाने वाली छवियों (देखें *समुचित छवियों या फुटेज का प्रयोग करें*, पृष्ठ 9) अथवा अनुचित संदर्भ या द्विअर्थी भाषा के प्रयोग के माध्यम से हिंसा को सनसनीखेज या महत्वहीन न बनाएँ। *'खराब से बेहतर' रिपोर्टिंग* के उदाहरण देखें, पृष्ठ 11।

> *"मुझे बियॉन्डब्लू और पीपल विद डिसेबिलिटी ऑस्ट्रेलिया जैसे संगठनों के रिपोर्टिंग और भाषा दिशा-निर्देश बहुत ही लाभप्रद प्रतीत होते हैं– यह बात सही लगती है कि पारिवारिक हिंसा जैसी व्यापक समस्या के लिए दिशा-निर्देश उपलब्ध हैं जो पत्रकारों को इस मुद्दे को सबसे सार्थक तरीके से कवर करने में सहायता देते हैं।"*
>
> - **Melissa Davey**
> मेलबर्न ब्यूरो प्रमुख
> Guardian Australia

6. हिंसा करने वाले व्यक्ति की पहचान करें

ये कार्य करें: सक्रिय भाषा का प्रयोग करके इस बात पर जोर दें कि किसी व्यक्ति ने पीड़ित के प्रति यह हिंसक कार्य किया। उदाहरण के लिए, 'महिला को मारा गया' जैसी गौण क्रियाओं का प्रयोग करने वाले मुख्य समाचारों के बजाए इनमें सक्रिय क्रियाओं का प्रयोग करें; उदाहरण के लिए, 'एक पुरुष ने महिला के साथ मार-पीट की' या 'एक पुरुष ने पूर्व-पत्नी के साथ मार-पीट की' जैसे वाक्यों के बारे में सोचें। अन्यथा ऐसा प्रतीत हो सकता है कि महिलाओं के विरुद्ध हिंसा 'बस ऐसे ही हो जाती है', जबकि वास्तव में हमेशा एक हिंसक व्यक्ति द्वारा ही ऐसा कार्य किया जाता है।

ये कार्य करें: यदि उत्तरजीवी और हिंसक व्यक्ति के बीच वर्तमान में कोई संबंध है या पहले कोई संबंध रहा है और आप कानूनी रूप से इस संबंध को प्रकट कर सकें, तो इसके बारे में बताएँ। अपने दर्शकों को याद दिलाएँ कि महिलाओं के विरुद्ध किए जाने वाले अधिकाँश हिंसक कार्य उनके किसी परिचित व्यक्ति द्वारा ही किए जाते हैं (उदाहरण के लिए, वर्तमान या पूर्व जीवनसाथी, वयस्क बच्चे या परिवार के अन्य सदस्य, या देखभालकर्ता द्वारा) और अपरिचित व्यक्तियों द्वारा किए गए आक्रमण के प्रकरण कम ही होते हैं (उदाहरण के लिए, किसी अपरिचित व्यक्ति द्वारा शारीरिक या यौन आक्रमण)।

ये कार्य न करें: पुरुषों द्वारा किए गए हिंसक कार्यों से बचने के लिए महिलाओं को अपने व्यवहार की निगरानी करने या अपने व्यवहार को सुधारने के विचार को पुनःसशक्त न बनाएँ। यह महत्वपूर्ण है कि महिलाएँ और लड़कियाँ सुरक्षित रहें, परंतु हिंसा के लिए जवाबदेही हमेशा उस व्यक्ति की होती है जिसने हिंसक कार्य किया है।

7. कहानी का प्रसंग बताएँ

ये कार्य करें: जहाँ संभव हो, वहाँ अपनी कहानी का ढाँचा बनाने के लिए महिलाओं के विरुद्ध हिंसा के बारे में राजकीय, राष्ट्रीय और वैश्विक आँकड़ों (यदि उपयुक्त हो, तो) का प्रयोग करें। ध्यान रखें कि कई महिलाएँ हिंसा के बारे में रिपोर्ट नहीं करती हैं और जिस प्रकार से इन आँकड़ों के साथ व्यवहार किया/नहीं किया जाता है, वह कहानी का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हो सकता है। *आँकड़ों की समस्या* देखें, पृष्ठ 16।

> *" जब मेरी बहन Niki की हत्या हुई थी, तो मीडिया की अधिकाँश रिपोर्टिंग उसकी त्वचा, के रंग, हमारी साँस्कृतिक पृष्ठभूमि, या "सँस्कृति" या "ऑनर किलिंग" के कारण हिंसक व्यक्ति के आपराधिक कृत्य की जिम्मेदारी को माफ करने के लिए बहानेबाजी करने के बारे में थी ... जबकि वास्तव में यह घटना एक पुरुष द्वारा एक महिला की जान लेने का चयन करने के बारे में थी। [हमें उन सभी कारकों को] देखना चाहिए और इस बारे में भी विचार करना चाहिए कि ये कारक किसी विशिष्ट जातीय और अन्य साँस्कृतिक समूहों से आने वाली महिलाओं के लिए महिलाओं के विरुद्ध हिंसा की समस्या को और अधिक गंभीर कैसे बनाते हैं।"*
>
> - **Tarang Chawla**,
> Our Watch राजदूत

8. हमेशा उपलब्ध समर्थन विकल्पों को शामिल करें

ये कार्य करें: अपने दर्शकों के बीच सहायता खोजने वाले पुरुषों, महिलाओं और बच्चों की मदद करने के अवसरों का उपयोग हमेशा करें। पारिवारिक हिंसा का अनुभव करने वाले लोगों के लिए विशेषज्ञ सहायता विकल्पों के बारे में जानकारी नियमित रूप से शामिल करें, उदाहरण के लिए: **"यदि आपको या आपके किसी परिचित व्यक्ति को पारिवारिक हिंसा का अनुभव हो रहा है, तो 1800 RESPECT पर फोन करें।"** पुरुषों के लिए रेफरल भी शामिल करें, उदाहरण के लिए: **"क्रोध, संबंधों या बच्चों के पालन-पोषण के मुद्दों का सामना करने वाले पुरुषों के लिए परामर्श, सलाह और समर्थन हेतु Men's Referral Service को 1300 766 491 पर कॉल करें।"**

ये कार्य न करें: आत्महत्या या मानसिक स्वास्थ्य के लिए विशेषज्ञ सेवाओं के बारे में केवल जानकारी मात्र न दें। यह अनजाने में ही महिलाओं और उनके बच्चों के विरुद्ध हिंसा के प्रभाव को अनदेखा कर देता है और इसके कारण वर्तमान में हिंसा का अनुभव कर रहे लोगों को विशेषज्ञ सहायता के लिए कहाँ जाना चाहिए, इसके बारे में उन्हें सचेत करने का अवसर खो जाता है।

"यह महत्वपूर्ण है कि मीडिया इन दिशा-निर्देशों को विकसित और क्रियान्वित करने में सहायता के लिए अपनी महत्वपूर्ण भूमिका को समझे और इस भूमिका को अंगीकृत करे।"

- **Shaun Gough,** सामग्री निदेशक Triple M, मेलबर्न

9. समुचित छवियों या फुटेज का प्रयोग करें

ये कार्य करें: याद रखें कि चित्र और छवियाँ कहानी बताने के लिए महत्वपूर्ण होते हैं, लेकिन ये लिंग, नस्ल, क्षमता और आयु के बारे में हानिकारक रूढ़िवादी विचारों को जारी रखने में भी योगदान दे सकते हैं। उदाहरणों में 'वह नशे में धुत थी', दुर्व्यवहार करने वाले व्यक्ति से डरकर खुद को छिपाने का प्रयास कर रही थी, 'चरित्रहीन' और 'गैर-जिम्मेदार', या वह 'परिवार के प्रति समर्पित एक संपूर्ण पुरुष था' जैसे परिदृश्य दिखाने वाली छवियाँ शामिल हैं।

ये कार्य करें: चाहे आप छवियाँ पैदा कर रहे/रही हों या स्टॉक छवियों का चयन कर रहे/रही हों, खुद से पूछें कि चुनी गई छवियाँ किसी व्यक्ति के बारे में कैसी कहानी बताती हैं। यदि उस व्यक्ति के स्थान पर आप होते/होतीं, तो क्या आप उपयोग की जाने वाली छवियों के प्रयोग से सहज महसूस कर पाते/पातीं? और परिवार के सदस्यों और दोस्तों पर इसका क्या प्रभाव पड़ सकता था?

ये कार्य न करें: ऊँचाई से उत्तरजीवियों या पीड़ितों की तस्वीरें खींचकर उन्हें छोटा न दिखाएँ, उन्हें 'दुखी' या 'असहाय' दिखाई देने के लिए न कहें या सामाजिक मीडिया से उनके बिकनी-पहने हुए चित्रों का उपयोग करने के फंदें में न फंसें - यदि आपको केवल ऐसे ही चित्र मिल पाएँ, तो उन्हें काट-छाँट कर उपयुक्त बनाएँ!

"अच्छे आदमी अपने परिवार की हत्या नहीं करते हैं। वे अपनी पत्नियों के साथ दुर्व्यवहार नहीं करते हैं। वे अपनी बेटियों और बेटों को नुकसान नहीं पहुँचाते हैं। और वे निश्चित रूप से अपने नाती-पोतों की हत्या नहीं करते हैं।"

- **Rebecca Poulson** Sydney Morning Herald के लिए

10. टिप्पणियों के लिए विशेषज्ञों से सलाह लें

ये कार्य करें: मुद्दे को संदर्भ में रखने के लिए महिलाओं के विरुद्ध हिंसा के क्षेत्र में विशेषज्ञों से सलाह लें। पारिवारिक हिंसा और यौन उत्पीड़न सेवाओं तथा महिलाओं के विरुद्ध हिंसा की रोकथाम हेतु एजेंसियों व शोधकर्ताओं की सूची के लिए *सँसाधन,* पृष्ठ 18 देखें। संगत होने पर इनमें आदिवासी और टोरेस स्ट्रेट द्वीपवासी, प्रवासी और शरणार्थी तथा LGBTIQ+ समुदायों में अनुभव-प्राप्त विशेषज्ञ व्यक्ति भी शामिल हैं।

ये कार्य करें: हिंसक व्यक्ति के पड़ोसियों या दोस्तों द्वारा किए गए उसके चरित्र आकलन को शामिल करने के प्रति सचेत रहें, उदाहरण के लिए "वह बहुत ही अच्छा पति' और 'एक प्यार करने वाले पिता" था। ऐसा करना गलत होता है क्योंकि पारिवारिक हिंसा अक्सर गोपनीय और लंबी अवधि में की जाती है।

ये कार्य न करें: महिलाओं के विरुद्ध हिंसा पर रिपोर्टिंग करने के दौरान टिप्पणियों के लिए केवल पुलिस या न्यायपालिका पर भरोसा न करें। इस बात का ध्यान रखें कि पुलिस रिपोर्ट किए गए अपराध का इतिहास उपलब्ध तो करा सकती है, परंतु महिलाओं के विरुद्ध अधिकाँश हिंसा बस एक "घटना" होने के बजाए गैर-आपराधिक होती है, और महिलाओं के विरुद्ध अधिकाँश हिंसा की रिपोर्ट भी नहीं की जाती है।

"इन तत्वों के बिना घटना को एक अलग-थलग और यादृच्छिक घटना के रूप में दर्शाया जाता है। इसके कारण जिम्मेदारी व्यक्ति-विशेषों के ऊपर आ जाती है न्याय-प्रणाली को इसका समाधान करना पड़ता है। इससे शेष समाज को इसे किसी दूसरे की समस्या के रूप में खारिज करने की प्रवृत्ति को बढ़ावा मिलता है।"

- **Annie Blatchford,** The Conversation

3. आदिवासी और टोरेस स्ट्रेट द्वीपवासी महिलाओं के विरुद्ध हिंसा की रिपोर्टिंग करना

इस बात को स्वीकार करना महत्वपूर्ण है कि आदिवासी और टोरेस स्ट्रेट द्वीपवासी लोगों के बारे में गलत प्रतिनिधित्व किए जाने का एक लंबा इतिहास है, विशेषकर जब आदिवासी महिलाओं के विरुद्ध हिंसा की रिपोर्टिंग की जाती है।

ढाँचा बनाना और संदर्भ सामग्री

- आदिवासी महिलाओं के अनुभवों के संदर्भ में नस्लवाद, भूमि से निष्कासन, अंतरपीढ़ी आघात और गहन निर्धनता जैसे उपनिवेशवाद के व्यापक प्रभावों को समझना महत्वपूर्ण है, क्योंकि इनके कारण आदिवासी महिलाओं के लिए सहायता की खोज करना या सेवाएँ प्राप्त करना और भी अधिक कठिन हो जाता है, और इसका अर्थ यह है कि वे सरकारी एजेंसियों में विश्वास नहीं रखती हैं या उन्हें अपने बच्चों को उनसे छीन लिए जाने का भय रहता है।
- मुद्दे के सामुदायिक समाधानों और दृष्टिकोणों के बारे में विचार करें (उदाहरण के लिए, आदिवासी और टोरेस स्ट्रेट द्वीपवासी लोगों के समुदाय में नेतृत्व, कानूनी सुधार, पारिवारिक हिंसा को संबोधित करने या रोकने के लिए समुदाय द्वारा संचालित समर्पित कार्यक्रम।)

> *"पत्रकारों को यह समझने की आवश्यकता है कि हिंसा और समस्याएँ कहाँ से उत्पन्न होती हैं और ये नस्ल और सँस्कृति के बजाए उपनिवेशवाद, प्रतिकूलता और निर्धनता के लक्षण होती हैं। इसे समझने के लिए लोगों को ऑस्ट्रेलियाई इतिहास से जुड़ने की आवश्यकता है।"*
>
> **– Paul Daley,**
> Walkey-विजेता पत्रकार,
> लेखक और नाटककार

हानिकारक रूढ़िवादी धारणाएँ

कहानी में संभावित रूप से अंतर्निहित किसी भी पूर्व-धारणा के बारे में सोचें और स्वयं से यह प्रश्न पूछें कि:

- क्या मैं (छवियों, भाषा और साँख्यिकी के माध्यम से) नकारात्मक रूढ़िवादी धारणाओं को जारी रखने में योगदान दे रहा/रही हूँ, उदाहरण के लिए, क्या आदिवासियों की नस्ल स्वयं ही हिंसा का कारण है या इसमें योगदान दे रही है, या क्या सभी आदिवासी लोग मादक-पदार्थों और शराब के सेवन की समस्या से ग्रस्त हैं?
- क्या मैंने आदिवासी महिलाओं के विरुद्ध हिंसा को एक 'आदिवासी समस्या' के रूप में प्रस्तुत करने के बजाए इसे राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर महिलाओं के विरुद्ध हिंसा की समस्या से जोड़ा है?
- यह ध्यान में रखते हुए कि गैर-स्वदेशी पुरुष भी हिंसा के लिए जवाबदेह होते हैं (और अक्सर नगरीय क्षेत्रों में), क्या मैंने हिंसक व्यक्ति की प्रजाति के बारे में कोई पूर्व-धारणाएँ बनाई हैं (Our Watch, 2018)?
- क्या मैं अनजाने में हिंसा के लिए सँस्कृति, शराब के सेवन या महिलाओं के व्यवहार को दोषी ठहरा रहा/रही हूँ?

साँस्कृतिक रूप से संवेदनशील व्यवहार

- क्या आपने समुदाय के सदस्यों से इस विशेष आदिवासी समुदाय में साँस्कृतिक रूप से संवेदनशील तरीकों से मृत व्यक्तियों का नाम प्रकट करने या उनकी छवियों का उपयोग करने के बारे में सलाह ली है?
- आप जिस क्षेत्र के बारे में रिपोर्टिंग कर रहे/रही हैं, क्या आप उस क्षेत्र के समुदायों के बारे में और अधिक जानकारी प्राप्त कर सकते/सकती हैं या अपनी साँस्कृतिक योग्यता[3] बढ़ा सकते/सकती हैं?

अपने स्रोतों के बारे में विचार करें

- इस बात की समझ रखें कि पूरे आदिवासी और टोरेस स्ट्रेट द्वीपवासी समुदाय की ओर से कोई भी व्यक्ति 'एक आवाज़' नहीं बोलता है
- आदिवासी और टोरेस स्ट्रेट द्वीपवासी लोगों से इस बारे में सलाह लें कि वे किस व्यक्ति को एक प्रतिष्ठित नेता या विशेषज्ञ मानते हैं।

[3] Koorie Heritage Trust जैसे संगठन इस शिक्षण में समर्थन दे सकते हैं

- जहाँ संभव हो, अपनी कहानियों में आदिवासी और टोरेस स्ट्रेट द्वीपवासी महिलाओं की आवाज़ों को नकारात्मक रूप से चित्रित करने के बजाए इस मुद्दे पर उनके नेतृत्व और अधिकार को प्रकट करने वाले तरीके से शामिल करें।
- अपने संपर्कों और स्रोतों के साथ संबंध विकसित करने और विश्वास का निर्माण करने के लिए समय निकालें। ऐतिहासिक रूप से रिपोर्टिंग ने मीडिया से बात करते समय समुदाय में अविश्वास को जन्म दिया है।

खराब रिपोर्टिंग	अच्छी रिपोर्टिंग[4]
शीर्षक: 'जिस माँ की हत्या की गई... वह आइस के व्यसन से ग्रस्त थी और अपने बच्चों को 'खाना नहीं देती थी' और उनके साथ 'मार-पीट' करती थी। **समस्या:** यह लेख हिंसक व्यक्ति द्वारा महिला और उसके दो बच्चों की हत्या किए जाने पर ध्यान केंद्रित करने के बजाए मृत महिला की मातृत्व-शैली, नशीले पदार्थों के तथाकथित प्रयोग और बाल संरक्षण में उसकी संलग्नता पर ध्यान केंद्रित करता है। यह अनजाने में ऐसा सुझाव देता है कि महिला स्वयं अपनी और अपने दो बच्चों की हत्या के लिए जिम्मेदार है।	**शीर्षक:** 'हम वास्तविक महिलाएँ हैं और शांति से रहना चाहती हैं' **सफलता:** Miki Perkins की रिपोर्टिंग में आदिवासी महिलाओं द्वारा अनुपात से अधिक हिंसा का अनुभव किए जाने पर इस प्रकार से ध्यान केंद्रित किया गया है जो हिंसा के कारकों - उपनिवेशवाद, भूमि से निष्कासन, और अनवरत प्रतिकूलता - के व्यापक संदर्भ की पहचान करता है।

4. ऑस्ट्रेलिया और पूरे विश्व-भर से खराब से बेहतर रिपोर्टिंग के उदाहरण

ऑस्ट्रेलिया और पूरे विश्व-भर से महिलाओं और उनके बच्चों के विरुद्ध हिंसा के बारे में मीडिया की रिपोर्टिंग से ली गई कुछ बहुमूल्य सीखें नीचे देखें।

खराब	समस्या	प्रमाण	बेहतर
'तथाकथित सामूहिक बलात्कार की पीड़ित महिला ने बहुत अधिक शराब पिया हुआ था'	पीड़ित महिला द्वारा शराब का सेवन इस कहानी के लिए प्रासंगिक नहीं है और अनजाने में यह इंगित करता है कि वह अपने बलात्कार के लिए स्वयं जिम्मेदार थी। यह शीर्षक बलात्कारियों को भी कहानी से हटा देता है और पूरा ध्यान हिंसा की उत्तरजीवी महिला की ओर खींचकर ले जाता है।	पीड़ित पर दोषारोपण करने के कई नकारात्मक प्रभाव होते हैं, उदाहरण के लिए, कम सहानुभूति और समर्थन, कम हस्तक्षेप, स्वास्थ्य के खराब परिणाम, अदालतों के माध्यम से अनुचित निवारण; और यह महिलाओं और उनके बच्चों के विरुद्ध हिंसा को प्रेरणा देने वाले कारणों को संबोधित नहीं करता है।	'तीन वयस्क पुरुषों पर एक किशोर लड़की के साथ सामूहिक बलात्कार का आरोप लगाया गया'

[4] *Reporting on Aboriginal People's Experiences of Family Violence (2018)* में और अधिक जानकारी उपलब्ध है।

'जंगली सेक्स' करने के बाद महिला को मरने के लिए "खून से लथपथ छोड़ दिया गया"	आदिवासी महिला Lynette Daley के क्रूरतापूर्ण बलात्कार और हत्या की रिपोर्टिंग में उसकी चोटों का बहुत ही सुस्पष्ट और सनसनीखेज विवरण शामिल था। इस लेख को तथाकथित बलात्कार के वर्णन में 'जंगली सेक्स' शब्दों के इस्तेमाल के लिए ऑस्ट्रेलियाई प्रेस काउंसिल के मानकों के तहत 'गलत' और 'अनुचित' माना गया।	काफी लंबे समय से मीडिया की रिपोर्टिंग में आदिवासी महिलाओं के विरुद्ध हिंसा को न्यूनीकृत, समुचित या 'अदृश्य' बनाया गया है। तथाकथित बलात्कार को नाम न देने की वजह से यह लेख बलात्कारियों को उनकी जवाबदेही से परे कर देता है और Lynette Daley के बिना सहमति के बलात्कार और मृत्यु के क्रूरतापूर्ण स्वभाव को अनदेखा कर देता है।	'तथाकथित क्रूरतापूर्ण बलात्कार और हत्या के बाद Lynette Daley की मृत्यु के लिए इंसाफ का अभियान।'
'हिंसा के लिए दिल के दर्द को दोषी ठहराया गया'	समुदाय अकथनीय हिंसा को समझने के तरीकों की खोज कर रहा है, लेकिन हिंसा को प्रेरित करने वाले अंतर्निहित तत्वों के बारे में जनता को शिक्षित करने के बजाए हिंसक व्यक्ति को होने वाली कठिनाइयों की रिपोर्टिंग की गई।	महिलाओं के विरुद्ध पुरुषों द्वारा की गई हिंसा के लिए 'दिल के दर्द' या मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों को 'दोष देने' का सुझाव प्रमाणों पर आधारित नहीं होता है और यह विक्टोरिया के पारिवारिक हिंसा शासकीय आयोग के निष्कर्षों के प्रतिकूल है।	'हिंसक व्यक्ति की नियंत्रण करने की आवश्यकता ने अकथनीय हिंसा को प्रेरित किया'
जिस महिला की हत्या की गई, उसे 'किन्नर' के रूप में संबोधित किया गया	जब अंतर्लिंगी महिला Mayang Prasetyo के पति Marcus Volke ने नृशंसतापूर्वक उसकी हत्या की थी, तो कुछ रिपोर्टिंग ने हिंसा के अनावश्यक और सुस्पष्ट विवरणों पर ध्यान केंद्रित किया, उसे स्विमसूट पहनी हुए तस्वीरों के माध्यम से एक कामोत्तेजक ढंग से चित्रित किया, और इस हिंसा को सही ठहराने या समझने के एक मार्ग के रूप में उसके सेक्स कार्य और व्यक्तिगत जीवन की जाँच की।	अंतर्लिंगी, लिंग-विविध, समलैंगिक और उभयलिंगी स्वरूपों में अपनी पहचान करने वाली महिलाओं को भेदभाव का अनुभव होता है और हिंसा का अनुभव देने के लिए उन्हें विशेष रूप से लक्ष्य बनाया जाता है। सभी महिलाओं को ऐसे निष्पक्ष मीडिया के समर्थन की आवश्यकता होती है जो हानिकारक रूढ़िवादी धारणाओं को आगे न बढ़ाए।	'एक पुरुष ने नृशंसतापूर्वक अपनी पत्नी की हत्या की' Mayang Prasetyo के लैंगिक रुझान, कार्य, चिकित्सीय इतिहास और मूल देश को हिंसा के लिए दोषी नहीं ठहराया जा सकता है, इसलिए हिंसा का प्रयोग करने का निर्णय लेने के कारण उसका पति दोषी है।

'डाँसफ्लोर पर हत्या'	Arman Abrahimzadeh के पिता ने 300 लोगों के सामने उसकी माँ की नृशंसतापूर्वक हत्या कर दी, जिसकी वजह से विशेष रूप से लोगों का ध्यान आकर्षित हुआ। उसकी माँ की हत्या के बाद ऑस्ट्रेलियाई मीडिया माध्यमों ने बताया कि उसकी मुसलमान विरासत के कारण यह हत्या एक प्रकार से साँस्कृतिक रूप से संबंधित थी। शीर्षक द्वारा एक प्रसिद्ध पॉप-गीत को संदर्भित करना अनावश्यक और अपमानजनक था।	Arman ने समझाया: "हमारी माँ की मृत्यु कोई ऐसी बात नहीं थी जिसे समाचार-पत्रों की बिक्री बढ़ाने के लिए नाटकीय रूप से प्रस्तुत किया जाना चाहिए था, मेरे पिता ने किसी धार्मिक या साँस्कृतिक मूल्य के परिणामस्वरूप यह हिंसा नहीं की थी और यह उनके 'दिमाग के आवेश में आने' के कारण तो निश्चित रूप से नहीं हुआ था। "मेरी माँ की मृत्यु एक गहराई से उलझे हुए लिंग-असमान समाज के परिणामस्वरूप हुई थी, जिसमें हम मौजूद थे, जहाँ मेरी माँ, बहनें और मैं अपने पिता की सँपत्ति थे।"	'एक आदमी ने वर्षों तक दुर्व्यवहार करने के बाद पत्नी की हत्या कर दी'

4. सामान्य रूप से प्रचलित गलत धारणाएँ

जब महिलाओं और उनके बच्चों के विरुद्ध हिंसा की बात की जाती है, तो इस विषय पर कई गलत धारणाएँ मौजूद हैं। इन धारणाओं में निम्नलिखित शामिल हैं:

गलत धारणा	वास्तविकता
शराब, मादक-पदार्थों का सेवन, मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दे या तनाव महिलाओं के विरुद्ध हिंसा को उद्वेलित या प्रेरित करते हैं।	ये मुद्दे हिंसा को बढ़ावा दे सकते हैं, लेकिन ये हिंसा को आरंभ नहीं करते हैं या हिंसा का कारण नहीं होते हैं।
पुरुष 'बस आवेश में आ जाते हैं' या कोई बात (विवाद) हिंसा को 'चिंगारी देती है'।	अनुसंधान दर्शाता है कि अपने सहजीवियों की हत्या करने वाले अधिकाँश पुरुषों (80 प्रतिशत) का पहले से ही अपनी पत्नियों के साथ दुर्व्यवहार करने का इतिहास मौजूद था।
महिलाओं के विरुद्ध हिंसा के साथ लिंगवाद/लैंगिक असमानता का कोई लेना-देना नहीं है।	महिलाएँ बहुत अधिक अनुपात में पारिवारिक हिंसा और यौन व शारीरिक आक्रमणों का शिकार होती हैं (ABS, 2016) क्योंकि उनके लिंग के आधार पर उन्हें हिंसा का लक्ष्य बनाया जाता है, और अधिकाँशतः यह हिंसा पुरुषों द्वारा की जाती है।

महिलाओं के विरुद्ध बहुत ही कम या अप्रत्याशित हिंसा होती है।	विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार महिलाओं के विरुद्ध हिंसा का पूर्वानुमान लगाया जा सकता है और इसे रोका जा सकता है। पूरे ऑस्ट्रेलिया-भर में पुलिस को औसतन प्रत्येक दो मिनटों में पारिवारिक हिंसा के प्रकरण के लिए बुलाया जाता है। 15-44 वर्ष की महिलाओं में अस्वस्थता और उनकी समय से पूर्व मृत्यु होने में पारिवारिक हिंसा का सबसे बड़ा योगदान है (VicHealth, 2018)।
कुछ सँस्कृतियाँ या सामाजिक-आर्थिक समूह अन्य समूहों की तुलना में अधिक हिंसक होते हैं।	भेदभाव का अर्थ यह हो सकता है कि कुछ सँस्कृतियों और निम्न सामाजिक-आर्थिक समूहों की महिलाएँ गैर-अनुपातीय रूप से हिंसा का शिकार होती हैं, परंतु इन समूहों से आने वाले अपराधियों के स्वाभाविक रूप से अधिक हिंसक होने का दावा गलत और हानिकारक है। अक्सर रिपोर्टिंग किए जाने से यह इंगित हो सकता है कि आदिवासी महिलाओं के विरुद्ध केवल आदिवासी पुरुषों द्वारा ही हिंसा की जाती है, परंतु वास्तव में गैर-स्वदेशी पुरुष भी हिंसक कार्य करते हैं, विशेषकर नगरीय क्षेत्रों में (Our Watch, 2018)। वास्तव में हमें यह भी पता है कि अस्थायी वीज़ा-धारक महिलाओं को ऑस्ट्रेलियाई नागरिकों समेत अन्य सभी साँस्कृतिक पृष्ठभूमियों के सहजीवियों की ओर से हिंसा का अनुभव होता है।
महिलाएँ अक्सर यौन आक्रमण और बलात्कार के बारे में झूठ बोलती हैं।	घरेलू हिंसा अथवा यौन आक्रमण के बहुत ही कम झूठे दावे किए जाते हैं (AIFS, 2013) और अपने वर्तमान सहजीवी से हिंसा का शिकार होने वाली 80 प्रतिशत महिलाएँ (ABS, 2012), और यौन आक्रमण का अनुभव करने वाली 80 प्रतिशत महिलाएँ अपने साथ हुई हिंसा के बारे में पुलिस संपर्क नहीं करती हैं (ABS, 2006)।
महिलाएँ हिंसक परिस्थितियों से दूर जा सकती हैं, "यदि वे ऐसा करना चाहें"।	सबसे चरम प्रकार की हिंसा, जिसमें हत्या शामिल है, तब होती है जब महिला अपने संबंध को छोड़कर दूर जाने की कोशिश करती है। जब यह माना जाता है कि हिंसा का शिकार होने वाली महिला अपनी पसंद से संबंध में रह रही है, तो हिंसक व्यक्ति को दोष से दूर कर दिया जाता है। महिलाओं द्वारा हिंसा की रिपोर्ट न किए जाने और हिंसा को छोड़कर दूर न जाने के कई कारण होते हैं, जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं: • अपने/अपने बच्चों के जीवन के लिए खतरा (और

	गर्भवती महिलाओं के लिए और भी अधिक खतरा) • परिवार और मित्रों की ओर से सांस्कृतिक अपेक्षाएँ या दबाव • छोड़कर जाने और समर्थन खोजने में सक्षम होने के लिए आवास और वित्तीय संसाधनों की कमी • विशेषज्ञ सहायता सेवाएँ प्राप्त करने या आपातकालीन आवास तक पहुँचने में बाधाएँ – इनमें वीज़ा की स्थिति, भाषा और भौगोलिक स्थान (उदाहरण के लिए, ग्रामीण और क्षेत्रीय इलाकों में निवास) शामिल हैं • नस्लवाद या भेदभाव के पिछले अनुभवों के कारण पुलिस या अन्य अधिकारियों पर विश्वास करने में कठिनाई, या अपने घर के निकट हिंसा की रिपोर्ट करने की स्थिति में अपने बच्चों को देखभाल में खो देने की चिंता • दुर्व्यवहार करने वाले व्यक्तियों के समर्थन पर आश्रित रहने के कारण छोड़कर जाने में कठिनाई, (उदाहरण के लिए, विकलाँगता-ग्रस्त और वयोवृद्ध महिलाएँ)।

3. तथ्य और आँकड़े

साँख्यिकी

विक्टोरिया में:

- 2017-18 में एक वर्ष की अवधि में:
  - प्रत्येक महीने 5,690 और 7,127 के बीच पारिवारिक हिंसा की घटनाएँ दर्ज की गई
  - पारिवारिक हिंसा से प्रभावित 76,125 विक्टोरियावासियों में से 75 प्रतिशत महिलाएँ थीं, जिनमें से अधिकाँश (71.5 प्रतिशत) महिलाएँ 20-49 वर्ष की थीं
  - इन हिंसक कृत्यों को करने वाले 76.2 प्रतिशत व्यक्ति पुरुष थे
- पारिवारिक हिंसा के प्रकरणों की रिपोर्टों में आदिवासी विक्टोरियावासियों का प्रतिनिधित्व बहुत अधिक है – प्रभावित परिजनों के लिए चार गुना से अधिक और हिंसा करने वाले तथाकथित व्यक्तियों के लिए पाँच गुना से अधिक। विक्टोरिया की आबादी के एक प्रतिशत से कम होने के बावजूद भी सभी प्रभावित परिजनों की रिपोर्टों (21,401) में से चार प्रतिशत के लिए आदिवासी लोग जिम्मेदार थे और पिछले 10 वर्षों में की गई सभी तथाकथित अपराधी रिपोर्टों (25,666) में से पाँच प्रतिशत के लिए जिम्मेदार थे। (Victorian Aboriginal Affairs Report, 2017)
- वैश्विक अध्ययनों से पता चलता है कि छह में से लगभग एक (तकरीबन 1,50,000) बड़ी उम्र का विक्टोरियावासी वयोवृद्ध दुर्व्यवहार से प्रभावित होता है (Seniors Rights Victoria, 2018), और बड़ी उम्र के पीड़ित वयस्कों के विरुद्ध किए गए सभी अपराधों में से लगभग आधे अपराध पारिवारिक हिंसा के संदर्भ में किए जाते हैं (Alastair Goddell, Victoria Police, 2018)
- विक्टोरिया में विशेषज्ञ बेघर सेवाओं की माँग करने वाले 38 प्रतिशत व्यक्ति पारिवारिक हिंसा से बचकर पलायन करने वाली महिलाएँ होती हैं, जबकि राष्ट्रीय स्तर पर यह 33 प्रतिशत है

ऑस्ट्रेलिया में:

- एक सप्ताह में औसतन एक महिला की हत्या उसके वर्तमान या पूर्व जीवनसाथी द्वारा की जाती है (AIHW, 2018)
- तीन में से एक ऑस्ट्रेलियाई महिला को शारीरिक हिंसा का अनुभव हुआ है (ABS, 2017)
- पाँच में से एक ऑस्ट्रेलियाई महिला को यौन हिंसा का अनुभव हुआ है (ABS, 2017)
- पुरुषों की तुलना में महिलाओं के लिए अंतरंग जीवनसाथी द्वारा की गई हिंसा का अनुभव होने की संभावना कम से कम तीन गुना अधिक है। (ABS, 2017)
- पाँच में से एक LGBTIQ+ ऑस्ट्रेलियावासी को शारीरिक रूप से समलैंगिक-भय द्वारा प्रेरित दुर्व्यवहार का अनुभव हुआ है (Australian Human Rights Commission, 2014)
- गैर-विकलाँग महिलाओं की तुलना में विकलाँगता-ग्रस्त महिलाओं और लड़कियों को हिंसा का अनुभव होने की संभावना कम से कम दो गुना अधिक होती है (Women with Disabilities Victoria, 2013)
- 2017 में ऑस्ट्रेलिया में महिलाओं के विरुद्ध हिंसा के प्रकरणों में जिन 49 महिलाओं की मृत्यु हुई थी, उनमें से एक तिहाई महिलाएँ 60 वर्ष से अधिक आयु की थीं (Counting Dead Women Australia 2018)
- अन्य महिलाओं की तुलना में पारिवारिक हिंसा के कारण आदिवासी महिलाओं की अस्पताल में भर्ती होने की संभावना 35 गुना अधिक है। पाँच में से दो (41 प्रतिशत) आदिवासी हत्याओं के प्रकरणों में पीड़ित की हत्या उसके वर्तमान या पूर्व जीवनसाथी द्वारा की जाती है, जो गैर-स्वदेशी पीड़ितों की दर की दोगुनी (22 प्रतिशत) है (AIHW 2018)
- समलिंगी या उभयलिंगी स्वरूप में अपनी पहचान करने वाली महिलाओं को विषमलिंगी महिलाओं की तुलना में काफी ऊँची दर पर यौन हिंसा का अनुभव होता है (de Visser et al. 2014)

आँकड़ों की समस्या

हमारे पास उपलब्ध सबसे व्यापक आंकड़े Australian Bureau of Statistics (ABS) द्वारा संचालित व्यक्तिगत सुरक्षा सर्वेक्षण से आते हैं, जो पुरुषों और महिलाओं, इन दोनों द्वारा अनुभव की गई हिंसा की प्रकृति और सीमा के बारे में जानकारी एकत्र करता है, लेकिन रिकॉर्ड किए गए अपराधों के आँकड़े एकत्र नहीं करता है।

यह आवश्यक नहीं है कि अपराध के विषय में रिकॉर्ड किए गए आँकड़े हमें बताएँ कि कितने लोग लिंग पर आधारित हिंसा का अनुभव करते हैं, क्योंकि इस प्रकार की हिंसा का अनुभव करने वाले अधिकाँश लोग पुलिस को इसकी सूचना नहीं देते हैं।

इसके अतिरिक्त भेदभाव और उत्पीड़न के कई स्वरूपों (जैसे उनकी जाति, लिंग, लैंगिक रुझान, शारीरिक या मानसिक क्षमता, या उम्र के कारण) से जूझने वाली महिलाओं को अन्य महिलाओं की तुलना में ऊँचे स्तर पर हिंसा का अनुभव करना पड़ता है, लेकिन उनके द्वारा हिंसा की रिपोर्ट किए जाने या समुचित उत्तर या समर्थन प्राप्त करने की संभावना और भी कम होती है।

हमें इस बारे में भी सावधान रहना चाहिए कि हम अपने **निहित पक्षपात** के कारण गलत तरीके से आँकड़ों की व्याख्या कर सकते हैं। उदाहरण के लिए, आदिवासी और टोरेस स्ट्रेट द्वीपवासी महिलाओं को अन्य महिलाओं की तुलना में ऊँची दरों पर पारिवारिक हिंसा का अनुभव होता है[5], परंतु सार्वजनिक चर्चाओं और मीडिया रिपोर्टिंग का अर्थ होगा कि यह हिंसा केवल आदिवासी या टोरेस स्ट्रेट द्वीपवासी पुरुषों द्वारा ही की जाती है; जबकि वास्तव में गैर-स्वदेशी पुरुष भी जवाबदेह होते हैं (और अधिकाँशतः नगरीय क्षेत्रों में जवाबदेह होते हैं (Our Watch, 2018))।

[5] आँकड़ों के लिए कोई एकमात्र स्रोत नहीं होता है जो हिंसा के सभी प्रारूपों की प्रत्यक्ष तुलना प्रदान कर सके। परंतु आकड़ों के विभिन्न स्रोत लगातार रूप से दर्शाते हैं कि गैर-स्वदेशी महिलाओं की तुलना में आदिवासी और टोरेस स्ट्रेट द्वीपवासी महिलाओं को अधिक हिंसा (और अक्सर बहुत अधिक हिंसा) का अनुभव होता है, जिनमें भिन्नता का परिमाण हिंसा के प्रकार, आँकड़ों के स्रोत और न्यायाधिकार-क्षेत्र के अनुसार भिन्न-भिन्न होता है। 2014-15 में पारिवारिक हिंसा से संबंधित आक्रमणों के परिणामस्वरूप आदिवासी और टोरेस स्ट्रेट द्वीपवासी महिलाओं के लिए अस्पताल में भर्ती की दर 530 महिलाएँ प्रति 1,00,000 महिला जनसँख्या थी। जनसँख्या की आयु सँरचनाओं में अंतरों के लिए समायोजन करने के बाद यह दर गैर-स्वदेशी महिलाओं की दर की 32 गुना थी। स्रोत: Steering Committee for the Review of Government Service Provision (2016) Overcoming Indigenous disadvantage: Key indicators 2016, Productivity Commission, Canberra, p.4.98, and table (table 4A.12.13)।

5. महिलाओं और उनके बच्चों के विरुद्ध हिंसा के प्रभाव

महिलाओं और उनके बच्चों के विरुद्ध हिंसा के अलग-अलग, गहरे और लंबे समय तक चलने वाले प्रभाव हो सकते हैं। हिंसा समाप्त होने के बाद उत्तरजीवी लोगों को कई वर्षों तक समर्थन की आवश्यकता हो सकती है। इसलिए परिवारों और समुदायों के लिए, और अंततः समाज के लिए, इसके अनेकानेक सामाजिक, स्वास्थ्य और आर्थिक परिणाम हो सकते हैं - प्रत्येक वर्ष ऑस्ट्रेलिया के लिए इसकी अनुमानित लागत $21.6 बिलियन है।

पारिवारिक हिंसा के साथ जीवन जीना विशेषकर बच्चों के लिए कष्टप्रद होता है। इसके प्रभाव दर्दनाक हो सकते हैं, लगातार बने रह सकते हैं, और लंबे समय तक चल सकते हैं। इनमें समय के साथ वृद्धि हो सकती है और ये स्वास्थ्य, विकास और कल्याण समेत बच्चों के जीवन के प्रत्येक पहलू को प्रभावित कर सकते हैं।

6. परिभाषाएँ

शब्दावली

'महिलाओं के विरुद्ध हिंसा' लिंग-आधारित हिंसा ऐसा कोई भी कार्य होता है, जिससे महिलाओं को नुकसान पहुँचने या उनके पीड़ित होने की संभावना होती है, चाहे यह सार्वजनिक रूप से या फिर बंद दरवाजों के पीछे हो। **'लिंग-आधारित'** का अर्थ है कि हिंसा पुरुषों की तुलना में (संपूर्ण रूप से) महिलाओं को गैर-अनुपातीय रूप में अधिक प्रभावित करती है, शक्ति और सँसाधनों को पुरुषों और महिलाओं के बीच असमान रूप से वितरित करने वाले एक व्यापक सामाजिक संदर्भ में होती है, और शक्ति के असंतुलन को पुनःसशक्त बनाती है। महिलाओं को अनुभव होने वाली हिंसा का अधिकाँश भाग एक 'पारिवारिक' संदर्भ में घटित होता है (पुरुष सहजीवियों या पूर्व-सहजीवियों या परिवार के अन्य सदस्यों द्वारा), परंतु ऐसा *हमेशा* नहीं होता है - महिलाओं को अनुभव होने वाली गई लिंग-आधारित हिंसा में कई अन्य स्वरूप शामिल हैं - उदाहरण के लिए, जीवनसाथी के अतिरिक्त किसी अन्य व्यक्ति/परिवार के सदस्य द्वारा बलात्कार और यौन आक्रमण, डेटिंग हिंसा, और सहकर्मी, सहपाठी या अपरिचित व्यक्ति (उदाहरण के लिए) द्वारा शारीरिक हिंसा या उत्पीड़न।

'पारिवारिक हिंसा' एक व्यापक पद है जिसका उपयोग परिवार (उदाहरण के लिए, परिजनों के बीच) और समुदाय के सदस्यों के व्यापक ताने-बाने में होने वाली हिंसा को स्वीकार करने के लिए किया जाता है, और इसका उपयोग एक अंतरंग संबंध में विभिन्न प्रकारों की हिंसा (शारीरिक, यौन, मनोवैज्ञानिक, भावनात्मक या वित्तीय) के संदर्भ में किया जाता है। पारिवारिक हिंसा से संदर्भ आदिवासी और टोरेस स्ट्रेट द्वीपवासी समुदायों या अन्य साँस्कृतिक समुदायों के अंदर विस्तृत संबंधों और पारिवारिक संबंधों में होने वाली हिंसा से भी है। इस पद का उपयोग **'घरेलू हिंसा'** की तुलना में अधिक किया जाता है, जो केवल घर के परिवेश में अंतरंग संबंध में रहने वाले दो लोगों के बीच होने वाले हिंसक कृत्यों को संदर्भित करती है।

विक्टोरियाई पारिवारिक हिंसा सुरक्षा अधिनियम 2008 के अनुसार पारिवारिक हिंसा की परिभाषा है - "परिवार के एक सदस्य का व्यवहार जो अपने जीवनसाथी, पूर्व-जीवनसाथी या अन्य परिजनों को भयभीत और नियंत्रित करता है"। यह व्यवहार कई स्वरूप ले सकता है और इसमें निम्नलिखित शामिल हो सकते हैं:

- शारीरिक हिंसा, उदाहरण के लिए मारना, धक्का देना, जलाना या दम घोटना, अनुचित या उपेक्षापूर्ण देखभाल करना
- मनोवैज्ञानिक और/या मौखिक दुर्व्यवहार (उदाहरण के लिए धमकियाँ देना, बार-बार नीचा दिखाना, अनुचित नामों से बुलाना, तथा लिंग, जाति, उम्र, सक्षमता या समलैंगिकता के भय पर आधारित दुर्व्यवहार)
- भावनात्मक दुर्व्यवहार, उदाहरण के लिए अपमान करना, चालें चलना, धमकियाँ देना
- वित्तीय दुर्व्यवहार, उदाहरण के लिए पैसे तक पहुँच को नियंत्रित करना
- पीछा करना या अन्य प्रकार का उत्पीड़न
- जोर-ज़बरदस्ती सहित यौन हिंसा
- परिवार के सदस्य को नियंत्रित करने, उन्हें भयभीत करने या उनकी आत्म-मूल्य की भावना को कम करने के लिए प्रयुक्त किए जाने वाले व्यवहार के अन्य स्वरूप - जिनमें यह शामिल हैं कि वे किससे मिलते हैं या क्या करते हैं।

हिंसक व्यक्ति इस अक्षमता का उपयोग भेदभाव और उत्पीड़न के एक से अधिक स्वरूपों का अनुभव करने वाली महिलाओं के साथ किए जाने वाले दुर्व्यवहार के हिस्से के रूप में कर सकते हैं। उदाहरण के लिए:

- व्यक्ति की विकलाँगता से संबंधित उपकरण या एड्स को हटाना
- व्यक्ति के 'भेद खोलने' की धमकी देना
- महिला को नियंत्रित करने के लिए उसके अस्थायी वीज़ा स्थिति का उपयोग करना
- वयोवृद्ध व्यक्ति को उसके पैसे तक पहुँच या पैसे पर नियंत्रण से वंचित करना

पारिवारिक हिंसा किसी के साथ भी हो सकती है, चाहे उसका लिंग, लैंगिक रुझान, लैंगिक पहचान या पहचान का अन्य परिचायक कुछ भी हो। साँख्यिकीय रूप से अधिकाँश हिंसक व्यक्ति पुरुष होते हैं और अधिकाँश पीड़ित-उत्तरजीवी व्यक्ति महिलाएँ और बच्चे होते हैं।

'वयोवृद्ध दुर्व्यवहार' परिजन या मित्र जैसे किसी परिचित और विश्वसनीय व्यक्ति द्वारा किया किया जाने वाला ऐसा कोई भी कार्य होता है जिससे किसी वयोवृद्ध व्यक्ति को हानि पहुँचती है। यह दुर्व्यवहार निम्नलिखित स्वरूपों में हो सकता है:

- शारीरिक - उदाहरण के लिए, मारना या झकझोरना
- वित्तीय - किसी व्यक्ति की संपत्ति, पैसों या अन्य परिसंपत्ति का अवैध या अनुचित तरीके से उपयोग करना
- भावनात्मक - उदाहरण के लिए, गालियाँ और धमकियाँ देना
- या यौन - जिसमें अवांछित यौन कृत्यों या शारीरिक संपर्क शामिल है।

इसमें उपेक्षा भी शामिल हो सकती है, और अक्सर एक से अधिक प्रकार के दुर्व्यवहारों का प्रयोग किया जाता है।

7. मीडिया और पार्श्व संपर्क

हम यहाँ ऐसे मार्गों का सुझाव देते हैं जिनका उपयोग आप पारिवारिक हिंसा तथा महिलाओं और उनके बच्चों के विरुद्ध हिंसा को रोकने में विशेषज्ञता प्राप्त लोगों और संगठनों की खोज करने के लिए कर सकते/सकती हैं।

मीडिया और पार्श्व संपर्क विवरणों की जल्दी ही पुरानी हो जाने वाली सूची देने के बजाए, हम आपको मीडिया संपर्कों की नियमित रूप से अद्यतन की जाने वाली सूची देखने के लिए Our Watch वेबसाइट पर जाने का सुझाव देते हैं[6]।

विशेषज्ञ परिवारिक हिंसा संगठन

- Our Watch
- ANROWS, Australia's National Research Centre for Women's Safety
- Djirra, पूर्व में Aboriginal Family Violence Prevention और Legal Service Victoria
- Domestic Violence Resource Centre (DVRC)
- Domestic Violence Victoria (DV Vic)
- InTouch Multicultural Centre Against Family Violence
- No to Violence, पुरुषों द्वारा की जाने वाली पारिवारिक हिंसा को समाप्त करने के लिए शीर्षस्थ निकाय
- CASA Forum
- Women's Health East, उत्तरजीवियों के लिए अधिवक्ताओं तक पहुँच प्राप्त करने के लिए
- 1800 RESPECT (Medibank – राष्ट्रीय सेवा)

[6] मीडिया और पार्श्व संपर्कों की अद्यतन सूची के लिए www.ourwatch.org.au/News-media/Media-Contacts पर जाएँ

व्यक्ति-विशेष

- Dr. Anatasia Powell, RMIT University
- Dr. Kate Fitz-Gibbon, Monash University
- Margaret Simons, पत्रकार और लेखिका

विशिष्ट समूहों के बारे में रिपोर्टिंग के लिए प्रासंगिक संगठन

- Gay and Lesbian Health Victoria
- Multicultural Centre for Women's Health
- Queerspace – ड्रमंड स्ट्रीट सेवाएँ
- Seniors Rights Victoria
- Thorne Harbour Health
- Women with Disabilities Victoria
- VicHealth
- Youth Affairs Council Victoria (YACVic)

8. सँसाधन और पढ़ने के लिए अन्य सामग्री

साँख्यिकी और सर्वेक्षण

Australian Bureau of Statistics (ABS), 2017, *2016 व्यक्तिगत सुरक्षा सर्वेक्षण।* http://www.abs.gov.au/ausstats/abs@.nsf/mf/4906.0

Australian Bureau of Statistics (ABS), 2017, *रिकॉर्ड किए गए अपराध - पीड़ित व्यक्ति, ऑस्ट्रेलिया, 2017 - विक्टोरिया:* http://www.abs.gov.au/ausstats/abs@.nsf/Lookup/by%20Subject/4510.0~2017~Main%20Features~Victoria~8

Australian Domestic and Family Violence Death Review Network, *डेटा रिपोर्ट, 2018*: http://www.ombudsman.wa.gov.au/Reviews/Documents/FDV/ADFVDRN_Data_Report_2018.pdf

Australian Institute of Health and Welfare, 2018, *ऑस्ट्रेलिया में पारिवारिक, घरेलू और यौन हिंसा:* https://www.aihw.gov.au/reports/domestic-violence/family-domestic-sexual-violence-in-australia-2018/contents/summary

Crime Statistics Agency (Victoria), *पारिवारिक हिंसा डेटा पोर्टल:* https://www.crimestatistics.vic.gov.au/family-violence-data-portal

Morgan A & Chadwick H, 2009, *घरेलू हिंसा के प्रमुख मुद्दे।* अभ्यास सँख्या 7 में शोध। कैनबरा: ऑस्ट्रेलियाई अपराध-विज्ञान सँस्थान। https://aic.gov.au/publications/rip/rip07

VicHealth, 2013, *National Community Attitudes towards Violence Against Women Survey (NCAS)*: https://www.vichealth.vic.gov.au/media-and-resources/publications/2013-national-community-attitudes-towards-violence-against-women-survey (कृपया ध्यान दें, ANROWS सर्वेक्षण के नवीनतम परिणामों (2017) को 2018 के अंत में/ 2019 के आरंभ में प्रकाशित करेगा।

विक्टोरिया सरकार, 2018, *Dhelk Dja: Safe Our Way. सशक्त सँस्कृतियाँ, सशक्त लोग, सशक्त समुदाय,* https://www.vic.gov.au/system/user_files/Documents/fv/Dhelk%20Dja%20-%20Safe%20Our%20Way%20-%20Strong%20Culture%2C%20Strong%20Peoples%2C%20Strong%20Families%20Agreement.pdf

विक्टोरियाई सरकार, *शासकीय पारिवारिक हिंसा आयोग, 227 संस्तुतियों के क्रियान्वयन की स्थिति,* https://www.vic.gov.au/familyviolence/recommendations.html

World Health Organisation (WHO), *लिंग पर आधारित हिंसा के विरुद्ध आंदोलन के 16 दिन,* इस वेबसाइट पर उपलब्ध है: http://www.who.int/violence_injury_prevention/violence/global_campaign/16_days/en/index1.html

मीडिया के लिए दिशा-निर्देश और सँसाधन

Australian Press Council, 2014, *आत्महत्या की कवरेज के लिए विशिष्ट मानक* https://www.presscouncil.org.au/uploads/52321/ufiles/SPECIFIC_STANDARDS_SUICIDE_-_July_2014.pdf

Australian Press Council, 2016, *पारिवारिक और घरेलू हिंसा की रिपोर्टिंग के लिए सलाह देने वाले दिशा-निर्देश,* https://www.presscouncil.org.au/uploads/52321/ufiles/Guidelines/Advisory_Guideline_on_Family_and_Domestic_Violence_Reporting.pdf

Kalinya और Department of Premier and Cabinet, 2017, *आदिवासी लोगों के पारिवारिक हिंसा के अनुभवों पर रिपोर्टिंग* http://kalinya.com.au/wp-content/uploads/2018/01/Reporting-on-Aboriginal-peoples-experiences-of-family-violence-media-toolkit-1.pdf

Monash University, 2018, *समावेशी भाषा*

https://www.monash.edu/about/editorialstyle/writing/inclusive-language

मीडिया विविधता ऑस्ट्रेलिया, *आदिवासी और टोरेस स्ट्रेट द्वीपवासी लोगों और उनके मुद्दों के बारे में रिपोर्टिंग, https://www.mediadiversityaustralia.org/indigenous/*

Our Watch, *LGBTI* समुदायों के लोगों के विरुद्ध पारिवारिक हिंसा की रोक-थाम, https://www.ourwatch.org.au/getmedia/13fdedoc-851b-4935-b402-e00fdb9b6e4b/Summary-report_Preventing-FV-against-people-in-LGBTI-communities-(Accessible-PDF).pdf.aspx

Pearson M & Polden M, 2014, पत्रकार के लिए मीडिया कानून मार्गदर्शिका: आँकिक विश्व में संचारकों के लिए एक हस्त-पुस्तक, Allen and Unwin

आदिवासी और टोरेस स्ट्रेट द्वीपवासी लोगों और मुद्दों के बारे में रिपोर्टिंग: मीडिया के लिए एक प्रारंभिक सँसाधन (2018)।

क्वींसलैंड सरकार, *घरेलू और पारिवारिक हिंसा मीडिया मार्गदर्शिका:* https://www.communities.qld.gov.au/resources/gateway/campaigns/end-violence/domestic-family-violence-media-guide.pdf